विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

सत्र पाठ्यक्रम

एम.फिल्.

सत्र 2011–12

संस्कृत

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

विषय – संस्कृत

एम.फिल्.

सत्र 2011–12

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अङ्क
प्रथम	शोध प्रविधि, पाण्डुलिपि तथा लिपि–विज्ञान	100
द्वितीय	अलङ्कारशास्त्र	100
तृतीय	व्याकरण तथा दर्शन	100
चतुर्थ	परिसंवाद – निबन्ध (शोध–सङ्गोष्ठी)	100
पञ्चम	लघु शोधप्रबन्ध (लिखित)	200
षष्ठ	मौखिकी	100
	महायोग	**700**

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **संस्कृत**

Paper Title - **प्रथम प्रश्नपत्र – शोध प्रविधि, पाण्डुलिपि तथा लिपि–विज्ञान**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 100

इकाई–1 शोध का क्षेत्र एवम् उसके प्रकार **20**

शोध क्षेत्र का चयन, विषय चयन एवं विषय की सीमाएँ, सङ्क्षिप्त रूपरेखा, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्रोत। साहित्यिक शोध के तत्त्व एवं सिद्धान्त, समालोचना और अनुसन्धान, अन्वेषण एवं गवेषणा, साहित्यिक शोध के प्रकार, भाषावैज्ञानिक अध्ययन, ऐतिहासिक तथा तुलनात्मक अध्ययन, शोध के अधिकारी एवं प्रयोजन

इकाई–2 सामग्री–सङ्कलन तथा प्रबन्ध की तैयारी **20**

शोध सामग्री का सङ्कलन, वर्गीकरण, विश्लेषण तथा सङ्गृहीत सामग्री का उपयोगी विवेचन, सन्दर्भोल्लेख, कार्य योजना की संरचना, रूपरेखा के अनुसार अध्यायों का विभाजन तथा प्रबन्ध लेखन की तैयारी

इकाई–3 अनुबन्ध योजना **20**

पूर्वानुबन्ध, प्राक्कथन, विषयानुक्रमणिका, मूलग्रन्थ सङ्केतसूची, पश्चानुबन्ध, परिशिष्ट, सहायक एवं सन्दर्भ ग्रन्थसूची की संरचना, नामानुक्रमणिका, शोध का सारांश एवं महत्त्व–दिग्दर्शन

इकाई–4 पाण्डुलिपि विज्ञान **20**

संस्कृत की पाण्डुलिपियों के पठन की समस्याएँ तथा मूल पाठ के अध्ययन की तकनीक, पाठालोचन, संस्कृत के हस्तलिखित ग्रन्थों तथा सूची पत्रों का इतिहास, क्षेत्रीय पाण्डुग्रन्थागारों तथा शोध संस्थानों का विवरण एवं परिचय

इकाई–5 लिपि–विज्ञान **20**

लिपि की उत्पत्ति तथा भारत की प्राचीन लिपियों – खरोष्ठी, ब्राह्मी, शारदा, नेवारी एवं देवनागरी तथा ग्रन्थ–लिपि (दक्षिण–लिपि) का उद्भव एवं विकास

अनुशंसित ग्रन्थ

1. अनुसन्धान का विवेचन – डॉ. उदयभानुसिंह
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. शोध प्रक्रिया और विवरणिका – डॉ. सरनामसिंह शर्मा
4. साहित्य एवं शोध : कुछ समस्याएँ – डॉ. देवराज उपाध्याय
5. अनुसन्धान का स्वरूप – डॉ. सावित्री सिन्हा
6. हिन्दी अनुसन्धान – डॉ. विजयपाल सिंह
7. भारतीय पाठालोचन की भूमिका – डॉ. एम.एम. कात्रे
8. पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रक्रिया – मिथिलेश कात्रे
9. महाभारत : भूमिका – डॉ. जी.एस. भट्ट
10. रामायण : भूमिका – डॉ. जी.एच. भट्ट
11. वैदिक पदानुक्रमकोष : भूमिका – डॉ. विश्वबन्धु
12. न्यू केटोलागस–केटोलागारम् : भूमिका – डॉ. बी. राघवन
13. संस्कृत शिक्षानुशीलन – डॉ. गौरीशङ्कर
14. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
15. प्राचीन लिपिमाला – डॉ. गौरीशङ्कर हीराचन्द्र ओझा

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **संस्कृत**

Paper Title - **द्वितीय प्रश्नपत्र – अलङ्कारशास्त्र**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 100

इकाई–1 कुन्तक – वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) 20

इकाई–2 क्षेमेन्द्र – औचित्यविचारचर्चा 20

इकाई–3 राजशेखर – काव्यमीमांसा (प्रथम से पञ्चम अध्याय तक) 20

इकाई–4 पण्डितराज जगन्नाथ–रसगङ्गाधर (प्रथम आनन : रस–निरूपण पर्यन्त) 20

इकाई–5 समालोचनात्मक प्रश्न (निर्धारित पाठ्यग्रन्थों से विकल्प सहित एक प्रश्न) 20

अनुशंसित ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्यशास्त्र – पण्डित बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत आलोचना – पण्डित बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
4. संस्कृत पोएटिक्स – डॉ. एस.के. डे
5. आनन्दवर्द्धन – डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
6. ध्वनि सम्प्रदाय और उसके आचार्य – डॉ. भोलाशङ्कर व्यास
7. ध्वनि सिद्धान्त तथा तुलनीय चिन्तन – डॉ. बच्चूलाल अवस्थी
8. रस–सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
9. हिन्दी वक्रोक्तिजीवित : भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
10. औचित्य सम्प्रदाय का उद्भव और विकास – डॉ. छविनाथ त्रिपाठी
11. काव्यप्रकाश : भूमिका भाग 1 – डॉ. आचार्य विश्वेश्वर
12. ध्वन्यालोक : भूमिका भाग 1 – डॉ. आचार्य विश्वेश्वर
13. रसगङ्गाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन – कुमारी चिन्मय माहेश्वरी
14. काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. पी.वी. काणे
15. भारतीय साहित्यशास्त्र कोष – डॉ. राजवंश सहाय हीरा

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **संस्कृत**

Paper Title - **तृतीय प्रश्नपत्र – व्याकरण तथा दर्शन**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 100

इकाई–1 भट्टोजिदीक्षित : सिद्धान्तकौमुदी (सन्धि) 20

इकाई–2 भट्टोजिदीक्षित : सिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण) 20

इकाई–3 पतञ्जलि : पातञ्जल महाभाष्य (प्रथम आह्निक) 20

इकाई–4 भर्तृहरि : वाक्यपदीयम् (प्रथम काण्ड 30वीं कारिका तक) 20

इकाई–5 माधवाचार्य : सर्वदर्शनसङ्ग्रह (चार्वाक, प्रत्यभिज्ञा तथा जैमिनीय दर्शन) 20

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
2. पाणिनिकालीन भारत – पतञ्जलि – डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
3. पतञ्जलिकालीन भारत – डॉ. पी.डी. अग्निहोत्री
4. भारतीय दर्शन – पण्डित बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र
6. हिस्ट्री ऑफ इण्डियन फिलॉसफी – डॉ. राधाकृष्णन्
7. दि एसेन्शियल्स ऑफ इण्डियन फिलॉसफी – एम. हिरियण्णा
8. एन इन्ट्रोडक्शन टू इण्डियन फिलॉसफी – एस.सी. चटर्जी एवं डी.एम. दत्त

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **सस्कृत**

Paper Title - **चतुर्थ प्रश्नपत्र – परिसंवाद–निबन्ध (शोध सङ्गोष्ठी)**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 100

परिसंवाद–निबन्ध (शोध सङ्गोष्ठी) के लिए 100 अङ्क निर्धारित हैं। इस प्रश्नपत्र के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को चार शोध–निबन्ध लिखकर उनका वाचन निर्धारित समय पर करना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को निबन्ध की प्रस्तुति के उपरान्त चर्चा में भाग लेना होगा। शोध–निबन्ध के विषय का चयन विभागाध्यक्ष तथा विभाग के अन्य शिक्षक मिलकर करेंगे। प्रत्येक शोध–निबन्ध के लिए एक निर्देशक होगा, जिसके निर्देशन में विद्यार्थी शोध–निबन्ध लेखन करेगा। इस प्रश्नपत्र के मूल्यांकन में लेखन, वाचन, प्रस्तुति तथा चर्चा के आधार पर ही अङ्क प्रदान किये जाएँगे।

मूल्यांकन

परिसंवाद–निबन्ध के आन्तरिक मूल्यांकन के लिए गठित समिति में आन्तरिक निर्देशक, विभागाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष द्वारा मनोनीत विभागीय शिक्षक, ये तीन सदस्य होंगे तथा इस प्रश्नपत्र के मूल्यांकन में लेखन, वाचन चर्चा के आधार पर मिलकर अङ्क प्रदान करेंगे। विवाद की स्थिति में विभागाध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा।

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **सस्कृत**

Paper Title - **पञ्चम प्रश्नपत्र – लघु शोध–प्रबन्ध (लेखन)**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 200

इस प्रश्नपत्र के लिए परीक्षार्थी को लगभग 100 पृष्ठ की सीमा में लघु शोध–प्रबन्ध लिखना होगा। इसके लिए 200 अङ्क निर्धारित हैं। इस शोध अधिनिबन्ध के लिए परीक्षार्थी को विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित विभागीय शिक्षक के निर्देशन में कार्य करना होगा। अधिनिबन्ध के विषय का चयन विभागाध्यक्ष, निर्देशक तथा परीक्षार्थी करेंगे। अधिनिबन्ध की रूपरेखा विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित होना चाहिए तथा विषय शोध कार्य के लिए उपयुक्त होना चाहिए। लघु शोध–प्रबन्ध की तीन टङ्कित प्रतियाँ अध्ययनशाला कार्यालय में निर्धारित अवधि तक जमा कराना आवश्यक है। निर्देशक द्वारा प्रमाणित लघु शोध–निबन्ध का मूल्याङ्कन एक बाह्य तथा एक आन्तरिक परीक्षक करेंगे।

Class - **एम.फिल्.**

Subject - **सस्कृत**

Paper Title - **षष्ठ प्रश्नपत्र – मौखिकी**

Session - **2011–12**

कुल अङ्क 100

यह प्रश्नपत्र लघु शोध–प्रबन्ध का ही एक खण्ड है। इसमें लघु शोध–प्रबन्ध से सम्बद्ध प्रश्न, परीक्षार्थी से पूछे जाएँगे। इसके लिए 100 अङ्क निर्धारित हैं। मौखिकी की समिति में एक बाह्य परीक्षक, एक आन्तरिक परीक्षक (निर्देशक) तथा विभागाध्यक्ष ये तीन सदस्य होंगे।